दिनांक: 13 नवंबर 2023

इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस (IP-MDA) पहल

यह लेख "दैनिक करंट अफेयर्स" को कवर करता है, और विषय "इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस (आईपीएमडीए) पहल" का विवरण देता है। यह विषय सिविल सेवा परीक्षा के "अंतर्राष्ट्रीय संबंध" अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए:
इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस (आईपीएमडीए) पहल क्या है?
क्वाड क्या है?
मुख्य परीक्षा के लिए:
सामान्य अध्ययन- 3: अंतर्राष्ट्रीय संबंध
खबरों में क्यों?
नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने हाल ही में कहा था कि QUAD ग्रुपिंग द्वारा शुरू की गई इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस (आईपीएमडीए) पहल, स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाती है।

इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस (IP-MDA) पहल

- आईपीएमडीए पहल इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में समुद्री डोमेन जागरूकता बढ़ाने और इसके महत्वपूर्ण जलमार्गों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एक प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण पहल है।
- इसकी घोषणा मई 2022 में टोक्यो शिखर सम्मेलन में भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका वाले **चतुर्भुज सुरक्षा संवाद (QUAD)** समूह द्वारा की गई थी।

लक्ष्य:

- इंडो-पैसिफिक में समुद्री गतिविधियों की निगरानी और सुरक्षा के लिए एक व्यापक प्रणाली स्थापित करें।
- संचार की महत्वपूर्ण समुद्री लाइनों की सुरक्षा सुनिश्चित करें
- क्षेत्र में समान विचारधारा वाले देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना

आईपीएमडीए के लाभ:

- **समुद्री डोमेन जागरूकता और "डार्क शिपिंग" की ट्रैकिंग:**
  - डार्क शिपिंग उन समुद्री जहाजों को संदर्भित करता है जिन्होंने अपने स्वचालित पहचान प्रणाली (एआईएस) ट्रांसपोंडर को बंद कर दिया है, जिससे उन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो गया है।
  - आईपीएमडीए पहल से डार्क शिपिंग और समुद्र में मुलाकात जैसी अन्य सामरिक स्तर की गतिविधियों को ट्रैक करने में मदद मिलेगी, जिनका उपयोग अवैध उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।
- **जलवायु और मानवीय घटनाओं पर बेहतर प्रतिक्रिया:**
  - आईपीएमडीए पहल भागीदारों को उनके जल क्षेत्र में समुद्री गतिविधियों की बेहतर समझ प्रदान करेगी, जिससे उन्हें प्राकृतिक आपदाओं और खोज और बचाव कार्यों जैसी जलवायु और मानवीय घटनाओं पर बेहतर प्रतिक्रिया देने में मदद मिलेगी।

- **बढ़ी हुई पारदर्शिता:**
  - यह पहल इंडो-पैसिफिक समुद्री क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए बनाई गई है, जिससे राष्ट्रों के बीच गलतफहमी और गलत अनुमान के जोखिम को कम करने में मदद मिलेगी।

चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता (Quadrilateral Security Dialogue)

- चतुर्भुज सुरक्षा संवाद (QUAD) ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच एक रणनीतिक सुरक्षा संवाद है।
- इसकी शुरुआत 2007 में हुई थी और 2017 में इसे पुनर्जीवित किया गया।
- क्वाड कोई औपचारिक गठबंधन नहीं है बल्कि विभिन्न सुरक्षा मुद्दों पर बातचीत और सहयोग का एक महत्वपूर्ण मंच है।

QUAD के उद्देश्य

- एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देना
- नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को कायम रखें
- समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध और मानवीय सहायता और आपदा राहत जैसे सुरक्षा मुद्दों पर सहयोग करें।
- भारत-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त और खुले व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना।

QUAD का महत्व:

- **क्षेत्रीय सुरक्षा:**
  - क्वाड एक स्वतंत्र, खुले, समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देता है।
  - यह क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता के प्रति संतुलन के रूप में कार्य करता है, क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता में योगदान देता है।
- **सामरिक सहयोग:**
  - एक अंतर-सरकारी सुरक्षा मंच के रूप में, क्वाड अपने सदस्य देशों – संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के बीच रणनीतिक सहयोग और बातचीत की सुविधा प्रदान करता है।
  - यह सहयोग सूचना साझा करने, संयुक्त सैन्य अभ्यास और समुद्री सुरक्षा और आर्थिक लचीलेपन पर चर्चा को सक्षम बनाता है।
- **आर्थिक और बुनियादी ढाँचा विकास:**
  - क्वाड सदस्य कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे के विकास और आर्थिक लचीलेपन सहयोग को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
  - इसका क्षेत्रीय आर्थिक विकास और समृद्धि पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।
- **इंडो-पैसिफिक प्रभाव:**
  - क्वाड हिंद-प्रशांत क्षेत्र में लोकतंत्र के सिद्धांतों, कानून के शासन और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान को बनाए रखने के लिए लोकतांत्रिक देशों द्वारा एक ठोस प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है।
  - यह क्षेत्रीय प्रभाव और सामान्य मूल्यों को बढ़ावा देने के प्रति साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।
- **चीन को प्रतिक्रिया:**
  - 2017 में क्वाड के पुनरुद्धार और उसके बाद की गतिविधियों को चीन की बढ़ती आर्थिक और सैन्य शक्ति की प्रतिक्रिया के रूप में देखा गया है।

स्रोत: The Hindu

Q1. इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस (आईपीएमडीए) पहल के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. आईपीएमडीए पहल हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री डोमेन जागरूकता बढ़ाने की एक पहल है।
2. इसकी घोषणा G-20 समूह द्वारा नई दिल्ली शिखर सम्मेलन 2023 में की गई थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) कोई नहीं
उत्तर: (a)

Q2. निम्न कथनों पर विचार करें:
1. चतुर्भुज सुरक्षा संवाद (क्वाड) ऑस्ट्रेलिया, भारत, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच एक रणनीतिक वार्ता है।
2. क्वाड कोई औपचारिक गठबंधन या संधि-आधारित संगठन नहीं है।
3. क्वाड की शुरुआत 2007 में चीन की बढ़ती आर्थिक और सैन्य शक्ति की प्रतिक्रिया के रूप में की गई थी।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?
(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) तीनों
(d) कोई नहीं
उत्तर: (a)

Q3. राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसके प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करते हुए, क्वाड समूह में भारत की भागीदारी के रणनीतिक और भू-राजनीतिक निहितार्थों का मूल्यांकन करें।

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com